# Distribution. (वितरण)

## THEORIES OF DISTRIBUTION.

उत्पादक को उत्पादन क्रिया के लिए अनेक उत्पत्ति के साधनों को एकत्रित करना पड़ता है। इन उत्पादनों (Inputs) की एक निश्चित मात्रा तथा निश्चित उत्पादन तकनीक द्वारा उत्पादक को ऐसे संयोग प्राप्त करता है जिसकी सहायता से अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया जा सके। मुख्यतः उत्पादन क्रिया में चार उपादनों का सहयोग होता है- भूमि (Land), श्रम (Labour) पूंजी (Capital) तथा संगठन (Organisation)। इसके अलावा अभी के समय में एक और Inputs को महत्वपूर्ण माना गया है वह साहसी है जो Risk लेता है उत्पादन में। इन सभी उपादनों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है उत्पादन। अब प्रश्न यह उठता है कि उत्पादन एक सामूहिक क्रिया है अतः किसी साधन विशेष का पुरस्कार (अर्थात् इसकी कीमत) निश्चित करने का आधार क्या हो? साधनों के पुरस्कार वितरण से संबंधित खोज ही वितरण का सिद्धान्त कहलाता है।

जब बात Distribution की होती है तो तीन बातें आती है

(i) किस चीज का वितरण हो।
(ii) किसके बीच वितरण हो।
(iii) किस मात्रा में वितरण हो।

(i) जब कभी Distribution की बात आती है तो Distribution National Income का होता है।

(ii) वह उत्पत्ति के साधनों (factor of Production) Land Labour, Capital, Organisation) के बीच वितरण होता है।

Scanned by CamScanner

(iii) किस मात्रा में Distribution होना चाहिए इसके लिए विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने अपना अपना मत दिया है तथा उनके अनेक अपने Theories है।

इसी को Theories of Distribution or Principle of Distribution कहते है।

example

(i) Classical theory of Distribution.
(ii) Marginal theory of Distribution.
(iii) Modern theory of Distribution.
(iv) Macro theory of Distribution.
etc.

वितरण का आधार or वितरण का सिद्धान्त

(i) वितरण की अलग सिद्धान्त की आवश्यकता है - 1st school

(ii) There is no need for seprate theory of Distribution → 2nd School

1) classical theory of Distribution. (1776)

चूंकि Classical Economist उत्पादन के सिर्फ दो साधनों को मानते है

(i) Land
(ii) Labour

उनके कथनानुसार उत्पादन के दोनों साधनों को, Land को Rent तथा Labour को Wage दे दिया जाए। बाकी Rest - Interest, Profit है।